गतिविधि शीट-2 : गिद्धों के बारे में पूछो

(क) अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी और अपने समुदाय के अन्य बुज़ुर्गों से बात करके यह जानने की कोशिश करो कि वे गिद्धों के बारे में क्या बता सकते हैं। नीचे दी गई तालिका में विवरण लिखें :

ये प्रश्न पूछें	आपके नोट्स
आपके आस-पड़ोस में कितनी तरह के गिद्ध देखे गए हैं? उनके स्थानीय नाम क्या हैं?	
क्या अब भी आपके आस-पड़ोस में किसी भी तरह के गिद्ध दिखाई देते हैं? यदि नहीं, तो ये पक्षी आख़िरी बार कब देखे गए थे?	
उन्हें इन पक्षियों के बारे में क्या याद है? उदाहरण के लिए, उन्होंने गिद्धों को ज़्यादातर कहाँ देखा? गिद्धों को क्या-क्या खाते हुए देखा? क्या उन्होंने कभी गिद्धों का घोंसला देखा है? यदि हाँ, तो कहाँ देखा था?	
वे इन पक्षियों के बारे में क्या सोचते हैं? वे गिद्धों को इन्सानों के लिए कितना महत्त्वपूर्ण मानते हैं? क्या वे गिद्धों से जुड़ा कोई अनुभव या क़िस्सा आपसे साझा कर सकते हैं?	
क्या वे आपको गिद्धों के बारे में और कुछ बता सकते हैं?	

(ख) यदि आपके परिवार या पड़ोस के लोग मवेशी पालते हैं (जैसे गाय, भैंस, भेड़ और बकरी), तो उनसे पता करें कि मवेशियों को कौन-सी दवाइयाँ दी जाती हैं। यदि सम्भव हो, तो अपने इलाक़े के किसी पशु चिकित्सक या पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता से भी पूछें। नीचे तालिका में प्राप्त जानकारी लिखें :

ये प्रश्न पूछें	जो आपने जाना
जब जानवरों को बुखार होता है या दर्द होता है, तब कौन-सी दवाइयाँ दी जाती हैं?	
क्या उन्होंने जानवरों का इलाज करने के लिए कभी डाइक्लोफ़ेनाक (Diclofenac) दवा का उपयोग किया है? अब वे क्या इस्तेमाल करते हैं?	
आपके आस-पड़ोस में मरने वाले जानवरों का निपटान अब कैसे किया जाता है?	
15-20 साल पहले मरे हुए जानवरों का निपटान कैसे किया जाता था?	
क्या मरे हुए जानवरों के निपटान के तरीक़े में बदलाव आया है? यदि हाँ, तो इस बदलाव का कारण क्या है?	

सोचें और चर्चा करें :

- आपने ग़ायब होते गिद्धों के बारे में जाना। आपने बड़ों से गिद्धों के बारे में जानकारी भी ली। इस सबसे अब आपके मन में इन पक्षियों के बारे में क्या छवि बनी? एक चित्र बनाकर दिखाएँ कि गिद्ध क्या खाते हैं, वे क्यों लुप्त हुए और इसका स्थानीय पर्यावरण पर क्या असर पड़ा और इन सबके बीच क्या सम्बन्ध था।
- कुछ लोग गिद्धों को उनके रूप के कारण डरावना मानते हैं। कुछ लोग इन्हें गन्दा मानते हैं क्योंकि ये मरे हुए जानवर खाते हैं। कुछ संस्कृतियों में गिद्ध पवित्र माने जाते हैं। आपके समुदाय में गिद्धों को किस तरह देखा जाता है?
- आपने अपने इलाक़े में बीमार जानवरों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की जानकारी इकट्ठी की। इसे अपने सहपाठियों के साथ साझा करें और आपको दूसरों की बातें सुनकर क्या नया सीखने को मिला, उसे लिखें।
- क्या आपने अपने बड़ों से गिद्धों के बारे में कुछ नया सीखा? या उनसे कुछ सुना जो लेख से अलग था? उसे लिखें और उस पर सहपाठियों व शिक्षक से कक्षा में चर्चा करें।
- क्या आपके मन में इन पक्षियों के बारे में और प्रश्न हैं? उनके उत्तर अपने बड़ों, पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता या पशु चिकित्सक से बात करके ढूँढ़ने की कोशिश करें। अपने शिक्षक की मदद भी ले सकते हैं।

i wonder...
Rediscovering school science

रचनाकार :

राधा गोपालन अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलूरु में कार्यरत हैं। वे तेलंगाना के कुडली इंटरजेनेरेशनल लर्निंग सेंटर की सदस्य भी हैं।

अनुवाद : गणेश मादुलकर **पुनरीक्षण :** उमा सुधीर **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय

शिक्षक मार्गदर्शिका : गतिविधि शीट-1 और 2

- गतिविधि शीट-1 और 2 कक्षा 6-8 के विद्यार्थियों के लिए बनाई गई हैं।
- हर गतिविधि 2-3 दिनों में कराई जा सकती है। कुछ काम कक्षा में होंगे, कुछ कक्षा के बाहर।
- कक्षा में इन गतिविधियों को शुरू करने के तरीक़े :

  (क) विद्यार्थियों को 'ग़ायब होते गिद्ध' कहानी सुनाएँ या पढ़वाएँ। उन्हें प्रोत्साहित करें कि वे इस कहानी पर अपने समुदाय में चर्चा करें और सोचें कि सभी जीव एक-दूसरे पर और अपने पर्यावरण (जिनका वे हिस्सा हैं) पर कैसे परस्पर निर्भर होते हैं। इससे वे अपने आस-पास के सभी जीवों की, भयानक दिखने वाले जीवों की भी, कमज़ोरियों को समझने लगेंगे और उनके प्रति संवेदनशील होने लगेंगे। स्वाभाविक रूप से उनमें सहानुभूति और करुणा विकसित होगी।

  (ख) कक्षा में फ़िल्म "Vulture Trilogy, Past, Present and Future" (URL : https://www.youtube.com/watch?v=LzgNe9uMgAs&t=49s) दिखा सकते हैं। फ़िल्म 22 मिनट की है। आप पूरी फ़िल्म या उसका कुछ हिस्सा दिखा सकते हैं। इसे मोबाइल पर भी दिखाया जा सकता है।

  (ग) गतिविधि शीट-1 के लिए : यदि सम्भव हो तो गिद्धों की तस्वीरें कम्प्यूटर स्क्रीन पर दिखाएँ। यदि यह सम्भव न हो तो तस्वीरें प्रिंट कर लें, उन्हें कार्डबोर्ड या किसी सख़्त सतह पर चिपका दें और कक्षा में प्रदर्शित करें।

  (घ) गतिविधि शीट-2 के लिए : गिद्धों से जुड़ी कहानियाँ, स्थानीय परम्पराएँ या मान्यताएँ विद्यार्थियों के साथ साझा करें। विद्यार्थियों को याद दिलाएँ कि वे बड़ों और समुदाय के लोगों की बातें ध्यान से सुनें और ठीक से अपनी कॉपी में लिखें। यदि सम्भव हो तो कक्षा में किसी पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता या स्थानीय पशु चिकित्सक को बातचीत के लिए बुलाएँ।

मिडिल स्टेज विज्ञान पाठ्यपुस्तकों से सम्बन्ध :

ये गतिविधियाँ और इनके आस-पास की चर्चाएँ मिडिल स्टेज विज्ञान के निम्नलिखित अध्यायों से जोड़ी जा सकती हैं :

अध्याय-2 ('सजीव-जगत में विविधता') कक्षा-6 की विज्ञान पुस्तक (एनसीईआरटी, पुनर्मुद्रण 2024–2025) : इसमें विद्यार्थियों को प्राकृतवास (habitat) से परिचित करवाया गया है जहाँ जीव रहते हैं, खाते हैं और आश्रय लेते हैं। वे यह भी सीखते हैं कि जीवों में विशेष गुण (अनुकूलन) होते हैं जो उन्हें अपने आवास में जीवित रहने में मदद करते हैं। इस अध्याय के अन्त में 'आइए, और अधिक सीखें' खण्ड की गतिविधि-10 में विद्यार्थियों से बत्तख के पंजों को देखने और यह सोचने को कहा गया है कि ये पंजे किस काम में आते होंगे। गतिविधि शीट-1 में शिक्षक इस गतिविधि को गिद्धों तक बढ़ा सकते हैं। इसी अध्याय के 'आगे सीखें' खण्ड में विद्यार्थियों को अपने परिवार या पड़ोस के बुज़ुर्गों से बात करके यह जानने के लिए कहा गया है कि पहले कौन-से जानवर दिखाई देते थे जो अब नहीं दिखाई देते। गतिविधि शीट-2 इस पर गिद्धों के बारे में बातचीत करने का अवसर देती है।

अध्याय-5 ('पौधे और जन्तुओं का संरक्षण)' कक्षा-8 की विज्ञान पुस्तक (एनसीईआरटी, पुनर्मुद्रण 2024–2025) : इसमें विद्यार्थियों को संरक्षण से जुड़े विचारों से परिचित करवाया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि स्थितियाँ बदलने से (जैसे मानव गतिविधियों के कारण वनों की कटाई) जीव (और पौधे) विलुप्त हो सकते हैं। 'ग़ायब होते गिद्ध' कहानी और गतिविधि शीट-2 विद्यार्थियों को वनों की कटाई

के अलावा ऐसे अन्य कारणों को रेखांकित कर सकती है जो जन्तुओं के जीवन को ख़तरे में डालते हैं। इसमें विद्यार्थी यह भी पढ़ते हैं कि वन्यजीव अभ्यारण्य किस तरह बाघ, शेर और हाथी जैसे बड़े जीवों को बचाने में मदद करते हैं। शिक्षक इस चर्चा को बढ़ाकर बता सकते हैं कि गिद्धों को क्यों बचाना ज़रूरी है और गिद्ध अभ्यारण्य की इसमें क्या भूमिका हो सकती है।[2]

अध्याय-2 ('The Invisible Living World : Beyond Our Naked Eye') कक्षा-8 की विज्ञान पुस्तक (एनसीईआरटी, पुनर्मुद्रण 2025–2026) : इसमें विद्यार्थियों को रोग पैदा करने वाले जीवाणु, बीमारियों का फैलाव और मृत पौधों व जानवरों के विघटक व पुनर्चक्रण करने वालों के रूप में सूक्ष्मजीवों की भूमिका से परिचित करवाया गया है। शिक्षक विद्यार्थियों से गिद्ध और सूक्ष्मजीवों की अपघटन में भूमिकाओं में तुलना करने को कह सकते हैं। इस पर आगे यह भी चर्चा हो सकती है कि गिद्ध बीमारियों के फैलाव को रोकने में कैसे मदद करते हैं।[3]

References:

1. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद (पुनर्मुद्रण 2025–2026)। 'अध्याय-2 : सजीव-जगत में विविधता'। जिज्ञासा, कक्षा-6 की विज्ञान पाठ्यपुस्तक : 9-34 : URL: https://ncert.nic.in/textbook.php?fhcu1=2-12
2. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद (2024–2025)। 'अध्याय-5 : पौधे एवं जन्तुओं का संरक्षण'। कक्षा-8 की विज्ञान पाठ्यपुस्तक : 53-65 : URL: https://ncert.nic.in/textbook/pdf/hhsc105.pdf
3. National Council of Educational Research and Training (2025-2026). 'Chapter 2 : The Invisible Living World : Beyond Our Naked Eye'. Curiosity, Textbook of Science for Grade VIII : 8-27. URL: https://ncert.nic.in/textbook.php?hecu1=2-13

रचनाकार :

राधा गोपालन अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलूरु में कार्यरत हैं। वे तेलंगाना के कुडली इंटरजेनेरेशनल लर्निंग सेंटर की सदस्य भी हैं।

अनुवाद : गणेश मादुलकर **पुनरीक्षण :** उमा सुधीर **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय